खुले में शौच जाने से रोकेंगी ग्राम पंचायतें

मुहिम

राज्य मुख्यालय | विशेष संवाददाता

प्रदेश के पंचायती राज निदेशक उदयवीर सिंह यादव ने कहा है कि प्रदेश के सभी जिलों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके जनजागरूकता के माध्यम से ग्राम पंचायतों को खुले में शौच की बुराई से मुक्त करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के अलवा स्वच्छता सम्बंधी अन्य कार्य जैसे नाली, खड़ंजा निर्माण, बायोगैस संयंत्र की स्थापना आदि के कार्य भी विभाग द्वारा करवाए जा रहे हैं और इसके जरिये भी गांवों को स्वच्छ रखने में काफी मदद मिलेगी।

पंचायती राज निदेशक ने यह बातें रविवार को यहां विभागीय मुख्यालय में आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में कहीं। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अन्तग्रत पंचायती राज विभाग द्वारा विश्व बैंक के सहयोग से समुदाय संचालित सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान पर एक दिवसीय कार्यशाला में विभिन्न जिलों के जिला परियोजना समन्वयक और संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए।

निदेशक पंचायती राज ने इस अवसर पर कहा कि ग्रामीणों को इन तथ्यों से भलीभांति अवगत करवाने की जरूरत है कि खुले में शौच से अनकों बीमारियों पैदा होता हैं। कार्यशाला में बताया कि प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करके इनके द्वारा जिलों में प्रशिक्षिण कार्यक्रम होंगे।

उप निदेशक पंचायती राज व नोडल अधिकारी एस.एन.सिंह ने खुले में शौच से मुक्ति के प्रति जानकारी प्रदान करने के लिए कार्यशाला के प्रतिभागियों को जानकारी दी गयी। यहां फीडबैक फाउण्डेशन के सीईओ अजय सिन्हा द्वारा सत्र का संचालन किया गया। कार्यशाला में शुरुआती दौर में लखनऊ के कमलापुर, अचरामऊ, मुजासा, धुबैला, हबीबपुर, हन्नीखेड़ा आदि गांवों को खुले में शौच से मुक्त करवाने का संकल्प लिया गया।